(e) The following accommodation in Vithal Bhai Patel House has been allotted to various political parties/ groups :—

S.No.	*Name of the political party*	*Room No.*	*Date of occupation*
1.	Swatantra Party.	521-Double suites.	27th June, 1967.
2.	Nirdalia Sangathan.	309-Single	18th November, 1967.
3.	P. S. P.	104-Single	28th July, 1967.
4.	Jan Sangh	23 and 24-Single	Not yet communicated their acceptance.

तेल की खपत

5235. **श्री भोगेन्द्र झा :**
श्री चन्द्रशेखर सिंह :

क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले पांच वर्षों में भारत में तेल की कुल कितनी खपत हुई और आगामी पांच वर्षों में इसकी खपत में कितनी वृद्धि होने का अनुमान है ;

(ख) पिछले पांच वर्षों में देश में तेल का उत्पादन कितना हुआ और आगामी पांच वर्षों में कितना उत्पादन होने का अनुमान है ;

(ग) पिछले पांच वर्षों में विदेशों से कुल कितने का तेल का आयात किया गया और आगामी पांच वर्षों में विदेशों से, देशवार, कितना तेल मंगाये जाने का अनुमान है ; और

(घ) तेल के मामले में देश को कब तक आत्मनिर्भर बनाने का विचार है ?

पेट्रोलियम और रसायन तथा समाज कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रघुरामैया) : (क) 1962 से 1966 की अवधि में कच्चे तेल की कुल खपत 46.00 मिलियन मीटरी टन थी और यह सम्भावना है कि आगामी पांच वर्षों में इस की खपत 98 मिलियन मीटरी टन होगी ।

(ख) 1962 से 1966 की अवधि में कच्चे तेल का कुल उत्पादन 12.4 मिलियन टन था । 1967 से 1971 तक की अवधि में 41.7 मिलियन मीटरी टन उत्पादन अनुमानित है ।

(ग) 1962 से 1966 की अवधि में कच्चे तेल का कुल आयात 33.60 मिलियन मीटरी टन था । 1966 से 1970 की अवधि में 50.58 मिलियन मीटरी टन कच्चे तेल का अनुमानित आयात होने की आशा है । इस समय देशवार भविष्य आयात के प्राक्कलन नहीं बताये जा सकते ।

(घ) इस विषय में पूर्वानुमान अव्यवहारिक है ।

केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग की वार्षिक बैठक

5236. **श्री भोगेन्द्र झा :**
श्री चन्द्रशेखर सिंह :

क्या सिंचाई और विद्युत् मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग की वार्षिक बैठक 23 नवम्बर, 1967 को हुई थी ;

(ख) यदि हां, तो उसमें क्या मुख्य निर्णय किये गये थे ;

(ग) क्या उस बैठक में नदी-घाटी परियोजनाओं का पुनरीक्षण भी किया गया था ; और

(घ) यदि हां, तो पश्चिमी कोसी और गंडक परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिये क्या निर्णय किया गया है ?

सिंचाई तथा विद्युत् मंत्री (डा० कु० ल० राव) : (क) से (घ). 22 नवम्बर से 25 नवम्बर, 1967 तक जो वार्षिक सत्र हुआ था, वह केन्द्रीय सिंचाई व बिजली

बोर्ड का था, न कि केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग का। केन्द्रीय सिंचाई व बिजली बोर्ड प्रति वर्ष इस प्रकार के सत्रों का आयोजन करता है जिन में सामान्य प्रशासनिक व तकनीकी विषयों पर विचारविमर्श किया जाता है। इन वार्षिक सत्रों के साथ-साथ केन्द्रीय सिंचाई व बिजली बोर्ड सामयिक विषयों पर गोष्ठियों का भी आयोजन करता है। 23 नवम्बर, 1967 को 'सिंचाई जल का प्रबन्ध' और 'ग्राम विद्युतन में बिजली पारेषण के लिये निम्नत्र तार का प्रयोग' सम्बन्धी दो विषयों पर विचार गोष्ठियां की गईं। इन वार्षिक समारोहों में भिन्न-भिन्न परियोजनाओं की कार्य प्रगति पर विचार विमर्श नहीं होता।

मैसर्स उषा मार्टिन ब्लैक लिमिटेड से आयकर की वसूली

5237. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वित्त मन्त्री 10 अगस्त, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 8764 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मैसर्स उषा मार्टिन ब्लैक (वायर रोप) लिमिटेड से आयकर की वसूली करने के बारे में इस बीच जानकारी प्राप्त कर ली गई है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो विलम्ब के क्या कारण हैं?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) और (ख). अपेक्षित सूचना एकत्र की गई थी और दिए गए आश्वासन को पूरा करने से सम्बन्धित विवरण-पत्र सदन की मेज पर दिनांक 12-12-1967 को प्रस्तुत किया गया था। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिए संख्या LT–2128/67]

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

कलकत्ता की फर्मों से आयकर की बकाया राशि

5238. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वित्त मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कलकत्ता की किन फर्मों तथा साथों पर आयकर की राशि बकाया है और उनका पूरा ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उन व्यक्तियों से जिन पर आय-कर की राशि बकाया है ब्याज सहित आय-कर वसूल करने के लिए सरकार का कोई निर्णय करने का विचार है; और

(ग) आय-कर की बकाया राशि कब तक वसूल किए जाने की संभावना है?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) सूचना तत्काल उपलब्ध नहीं है। जिन निर्धातियों पर तारीख 31-3-1967 को आयकर बकाया निकलता था, उनकी संख्या अकेले कलकत्ता के आयकर आयुक्त (केन्द्रीय) के कार्यक्षेत्र में ही 1050 थी। कलकत्ता की सभी फर्मों तथा कम्पनियों के सम्बन्ध में अपेक्षित सूचना एकत्र करने में बेहद समय और श्रम लगेगा।

(ख) देरी से की गई अदायगियों पर ब्याज लगाने तथा बकाया कर की वसूली के साथ उस ब्याज की भी वसूली करने की व्यवस्था कानून में पहले से ही है।

(ग) यह कहना सम्भव नहीं है कि बकाया आयकर के कब तक वसूल हो जाने की संभावना है। बकाया आयकर की शीघ्र वसूली के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है।

CONTRABAND GOLD

5239. **SHRI YAJNA DATT SHARMA**: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the total amount of contraband gold which was seized by Government during the last six months and in which State the seizure was the highest;